(घ) नाई ने किसी की नकल न करने का सबक सीखा क्योंकि उसने नकल करने के कारण ही अपनी पत्नी और अपनी नाक कटाई थी.

पाठ-बोध

अब तक क्या सीखा (Learning and Writing Skill)

1. मौखिक

(क) नाई सदैव किसकी नकल करता था? पंडित

(ख) पंडित किस बात का दिखावा कर रहा था? पत्नी से अकेले में बात करने

(ग) नाई ने सबसे पहले किसकी नाक काटी? अपनी पत्नी की

(घ) क्या वास्तव में पंडित और उसके परिवार ने नई नाक के साथ दीपावली मनाई थी? नहीं

2. लिखित

(क) पंडित नाई को कैसा सबक सिखाना चाहता था? अकल ठिकाने करने का

(ख) पंडित ने अपनी पत्नी के साथ मिलकर कैसी योजना बनाई? नाई की अकल ठिकाने लगाने की

(ग) नाई को किसका बुलावा आया था? व्याख्या करो- राजा का बुलावा आया क्योंकि वह राज दरबार का सेवक था

(घ) नाई ने कौन-सा सबक सीखा और कैसे?

(ङ) किसने, किससे कहा-

(i) "बहुत अच्छा! हम सब तो तैयार ही हैं, नई नाक के साथ दीपावली मनाने में बड़ा मज़ा आएगा।"

(ii) "सुनो, तुम इधर आ जाओ। मुझे तुम्हारी नाक काटनी है।" पंडित जी ने पत्नी से कहा

(iii) "अरे, अभी तक तुम पहुँचे क्यों नहीं? राजा साहब तो तुम्हारी राह देख रहे हैं।" सिपाही ने नाई से

(iv) "नहीं, नहीं! तकलीफ़ कैसी? हम सब तो बड़े आराम से सोए।" पंडित जी के घर के सब बोले और पंडित जी को बताया

3. हाँ या नहीं में उत्तर दो-

(क) पंडित सदा नाई की नकल करता रहता था। नहीं

(ख) नाई ने राजा के सिपाही के नाक-कान काट दिए थे। नहीं

(ग) पंडित नाई को कड़ा सबक सिखाना चाहता था। हाँ

(घ) पंडित ने अपने पूरे परिवार की नाक काट ली थी। नहीं

(ङ) नाई और उसकी पत्नी ने नई नाक के साथ दीपावली मनाई। नहीं

• Oral and written expression • Who said to whom • Yes or No
• Description • Recall • Understanding

भाषा-ज्ञानी बनो (Language Skill)

1. पढ़ो और समझो-

हिंदी वर्णमाला में निहित वे वर्ण जो न स्वर होते हैं और न व्यंजन होते हैं, वे अयोगवाह कहलाते हैं।

अयोगवाह ध्वनियों के प्रकार

अयोगवाह ध्वनियों के तीन प्रकारों का उल्लेख इस तरह है-

(i) **अनुस्वार :** अनुस्वार का उच्चारण स्वर के उपरांत किया जाता है, तथा इसका उच्चारण करते समय नाक से ध्वनि का संचार होता है। लिखते समय स्वर तथा व्यंजन के ऊपर (ं) बिंदु के रूप में इसका प्रयोग किया जाता है। जैसे- मंगल, नंदा, गंगा।

(ii) **अनुनासिक :** अनुनासिक चिह्न का उच्चारण करते समय नाक और मुख दोनों का प्रयोग किया जाता है। यह समस्त स्वरों के साथ उच्चारित किया जा सकता है। इसके चिह्न को (ँ) चंद्रबिंदु भी कहते हैं। जैसे- माँग, दाँत, पाँच।

(iii) **विसर्ग :** विसर्ग (:) को भी स्वर और व्यंजन के अंत में प्रयुक्त किया जाता है, तथा संस्कृत के मूल शब्दों में इसका प्रयोग होता है। इसका उच्चारण लगभग 'ह' के समान ही किया जाता है, किंतु स्पष्ट रूप से 'ह' का उच्चारण नहीं किया जाता है। जैसे- प्रात:, दु:ख, नम:।

(iv) **हलंत :** जिन व्यंजन में स्वरों का प्रयोग नहीं होता है, उस व्यंजन को हलंत (्) का चिह्न लगाकर प्रकट किया जाता है। जैसे- द्वितीय, विद्यालय।

निम्नलिखित अयोगवाह के दो-दो उदाहरण लिखो-

अनुस्वार - नंदा , गंगा

अनुनासिक - माँग , आँख

विसर्ग - प्रातः , नमः

हलंत - विद्यालय , विद्यार्थी

2. दिए गए शब्दों के अनेकार्थी शब्द लिखो-

कनक - सोना , धतूरा

अंक - बीज , विनती

भक्ति - अंग , पूजा

गुण - गुन , रस्सी

अवकाश - छुट्टी , अवसर

कुल - सब , वंश

काम - रोजगार , कार्य

गति - दशा , मोक्ष

3. वर्तनी शुद्ध करो-

अशुद्ध शब्द		**शुद्ध शब्द**
अगामी	-	आगामी
परिक्षा	-	परीक्षा
अत्याधिक	-	अत्यधिक
वानी	-	वाणी

वृज - व्रज

म्रग - मृग

4. निम्नलिखित शब्दों का संधि-विच्छेद करो-

भानूदय - भानु + उदय

देवालय - देव + आलय

सतीश - सति + ईश

स्वार्थ - स्व + अर्थ

परमेश्वर - परम + ईश्वर

महर्षि - मह + ऋषि

5. 'अ' उपसर्ग लगाकर विलोम शब्द लिखो-

लौकिक - अलौकिक

स्वच्छ - अस्वच्छ

शिष्ट - अशिष्ट

सहज - असहज

पूर्ण - अपूर्ण

प्राकृतिक - अप्राकृतिक

संभव - असंभव

विश्वास - अविश्वास

प्रसन्न - अप्रसन्न

सामान्य - असामान्य

● Morphology ● Words with different meanings ● Correction of errors
● Compound words ● Prefixes ● **M.I.-** Logical, Linguistic

करके देखो (Creative Skill)

- नाई सदैव पंडित की नकल करता था। तुमने पाठ में पढ़ा कि किस तरह इस नकल करने की आदत कि वजह से उसने अपनी और अपनी पत्नी की नाक काट ली और अपने शरीर को हानि पहुँचाई। तुम इस विषय में कैसे विचार रखते हो? क्या किसी की नकल करना अच्छी आदत है? तर्क देते हुए अपने विचार व्यक्त करो।
- नाई का चरित्र-चित्रण करते हुए उस पर 50 शब्दों का एक अनुच्छेद लिखो।
- तुम्हारे विचार से क्या इस पाठ को उचित शीर्षक दिया गया है? यदि कोई दूसरा शीर्षक दिया जाए तो वह क्या होगा? कक्षा में साथियों के संग चर्चा करो।

● Group discussion ● Paragraph writing ● **M.I.-** Interpersonal, Intrapersonal, Logical